



(B)  
27/12/84

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 626]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 27, 1984/पौष 6, 1906

No. 626]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 27, 1984/PAUSA 6, 1906

इस भाग में भिन्न घट दस्तावेज़ों की जारी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1984

प्राप्ति

का. आ. 960 (अ) /18क/प्राई डो भार. ए/84—भारत सरकार के  
उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के भारेश सं. 65 (अ) /18क/प्रा/  
प्राई डो भार. ए/78, तारीख 4 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) भारतीय प्रवेश राज्य के अ-  
काकुलम जिले के बोविली में चैन विनिर्माण करते वाले मैरम्स श्रीराम  
शुगर्स एण्ड हॉर्डस्ट्रोंज लिमिटेड के एक का (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
उक्त औद्योगिक उपकरण कहा गया है) प्रबंध, उच्ची विकास और विनियमन  
प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) के धारा 18 कक्ष की उपस्थान (1) के  
खण्ड (ख) के प्रधन, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से तान वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और निजाम शुगर  
फैक्ट्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपकरण का प्रबंध ग्रहण करने के लिए  
प्राविकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के  
क्रमांक अदेश सं. का. आ. 901 (अ), तारीख 21 नवम्बर, 1980, का. आ.  
619 (अ), तारीख 3 मार्च, 1981, का. आ. 549(अ), तारीख 2 अगस्त  
1982, का. आ. 83 (अ) /19क/प्राई. डा. प्रार. ए/83, तारीख 2 फरवरी,

1983, का. आ. 547 (अ) /18 कक्ष/प्राई डो भार. ए/83, तारीख 2  
अगस्त, 1983, का. आ. 65 (अ) /18क/प्राई डो भार. ए/84, तारीख 2  
फरवरी, 1984 और का. आ. 556 (अ) /18क/प्राई डो भार. ए/84, तारीख  
2 मार्च, 1984 द्वारा उक्त आदेश को 31 दिसम्बर, 1984 तक की  
जिसमें यह तारंख भी सम्मिलित है अधिक के लिए जागा रखा गया था;

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि लोकहित में यह सम्बन्धित है  
कि उक्त औद्योगिक उपकरण 30 जून, 1985 तक का, जिसमें यह तारंख भी  
सम्मिलित है और अवधि के लिए निजाम शुगर फैक्ट्री लिमिटेड के प्रबंध के  
अधीन रहा रहे;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम  
1951 (1951 का 65) के धारा 18 कक्ष के उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त  
एकत्रियों का प्रयोग करते हुए यह निवेद देता है कि उक्त आदेश 30 जून,  
1985 तक का, जिसमें यह तारंख भी सम्मिलित है, अधिक के लिए  
प्रभाषी बना रहेगा।

[का. सं 4 (4) /78—सं. पू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)  
New Delhi, the 27th December, 1984

ORDER

S.O. 960(E)/18AA/IDRA/84.—Whereas by the  
Order of the Government of India in the Ministry of

Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 65(E)|18AA|IDRA|78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980, S.O. 619(E), dated the 3rd August, 1981, S.O. 549(E), dated the 2nd August, 1982, S.O. 83(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 547(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd August, 1983, S.O. 65(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984 and S.O. 556(E)|18AA|IDRA|84, dated the 2nd August, 1984 respectively, the said Order was continued for a period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[File No. 4(4)|78-CUS.]

#### आदेश

का आ. 961 (प्र.)/18चब/आई डी आर ए/84 —केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग) के आदेश मा का.आ. 958 (प्र.)/18चब/आई डी आर ए/80, तार च 10 फरवरी, 1980 द्वारा (जिमे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) का धारा 18चब की उपधारा (1)के लग्ज़ (छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश के अवधि को सभा मामलों के बाबत (उससे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिष्ठित दायित्वों से सबधित है) 31 दिसेंबर, 1984 तक जिसमें यह तार च भी सम्मिलित है, जारी करा गया था;

और केन्द्रीय सरकार के उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग) के क्रमांक: आदेश सं. का. आ. 622 (प्र.)/18चब/आई डी आर ए/81, तार च 4 प्रगस्त, 1981, का आ. 550(प्र.)/18चब/आई डी आई ए/प/92 तार च 2 प्रगस्त, 1992, का आ. 82(प्र.)/18चब/आई डी आर ए/83, तार च 2 फरवरी, 1983, वा आ. 548 (प्र.)/18चब/आई ए/प/93, तार च 2 अगस्त, 1983, का 03.0 66(प्र.)/18चब/आई ए आर ए/84 तार च 2 फरवरी, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि का मध्ये मामलों के बाबत उससे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिष्ठित दायित्वों से सबधित है 31 दिसेंबर, 1984 तक जिसमें यह तार च भी सम्मिलित है, जारी करा गया था;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश के अवधि को मध्ये मामलों के बाबत (उससे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिष्ठित दायित्वों से सबधित है), 30 जून, 1985 तक का जिसमें यह तार च भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाएगा,

अतः यदि, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) का धारा 18चब की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश के अवधि को सभा मामलों के बाबत (उससे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिष्ठित दायित्वों में सबधित है) 30 जून, 1985 तक का जिसमें यह तार च भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाएगा।

[फा.म. 4(4)/78-सं.०य०प्र०स०]

०.पी. मरवन, संयुक्त भवित्व

#### ORDER

S.O. 961(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 958(E)|18FB|IDRA|80, dated the 10th December, 1980(E)(hereinafter referred to as the said Order) the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 4th February, 1978), to which the unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh of the company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August, 1981 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said Order shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 622(E)|18FB|IDRA|81, dated the 4th August, 1981, S.O. 550(E)|18FB|IDRA|82, dated the 2nd August, 1982, S.O. 82(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd February, 1983 S.O. 548(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd August 1983, S.O. 66(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd February, 1984 and S.O. 557(E)|18FB|IDRA|84, dated the 2nd August, 1984 respectively, the duration

of the said Order was continued upto and inclusive of the 31st December, 1984 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions);

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1985.

[File No. 4(4)|78-CUS.]  
A. P. SARWAN, Jt. Secy.

